# 11 रिमझिम(हिन्दी) चावल की रोटियाँ

Grade - 5

Classnotes

## प्रश्नों को पढ़कर दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1. **कोको के माता - पिता कहाँ गए थे ?**

   *a.* गाँव
   *b.* बाज़ार
   ***c.*** **खेतों में**
   *d.* शहर

2. **मिमि कोको के लिए क्या लाई थी ?**

   *a.* चावल की पकोड़ी
   ***b.*** **केले के पापड़**
   *c.* आलू के पराठे
   *d.* इनमें से कोई नहीं

## उपयुक्त शब्द का प्रयोग कर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए |

1. **खेतों से __कोको की माँ__ खाना बनाने के लिए लौटकर आतीं थीं।**
2. **मिमि की माँ ने __केले के पापड़__ बनाए थे।**
3. **कोको का पेट भूख से __गुडगुड__ कर रहा था।**
4. **कोको से मिमि ने पापड़ निगलने के लिए __चाय__ माँगी।**

## सही वाक्य के आगे सही (✔) और गलत वाक्य के आगे गलत (✖) का चिह्न लगाइए |

1. **नीनी कोको के घर टेलीविज़न देखने आया था |** ✖
2. **मिमि की माँ ने आम के पापड़ बनाये थे |** ✖
3. **कोको के पेट में भूख के मारे चूहे दौड़ रहे थे |** ✓
4. **कोको सबसे अपनी चावल की रोटियाँ छिपा रहा था |** ✓

## किसने, किससे और क्यों कहा ?

1. **" मैं चार पापड़ लाई हूँ।"**

   मिमि ने कोको से कहा।

2. **" हैलो कोको ! क्या बात है ? "**

   तिन सू ने कोको से कहा।

3. **" हैलो बच्चों ! लगता है छोटी - मोटी पार्टी चल रही है।"**

   उ बा तुन ने बच्चों से कहा।

4. **" तुम्हारी माँ ने नीला फूलदान माँगा था।"**

# 11 - चावल की रोटियाँ

Classnotes

उ बा तुन ने कोको से कहा।

## निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

1. **तिन सू - ओह ! मैं तो भूल गया था। मेरी माँ ने कहा था कि कोको की माँ ने कल दुकान से एक फूलदान ख़रीदा था। उन्होंने यह फूलदान में रखने के लिए भेजे हैं। वह रहा फूलदान अलमारी पर। मिमि - मुझे दो मैं इन्हें फूलदान में रख आती हूँ। कोको - नहीं - नहीं मिमि। मिमि - तुमने तो मुझे डरा दिया , क्या बात है ?**

   **१. तिन सू किस काम से कोको के घर आया था ?**
   **२. कोको की माँ फूलदान कहाँ से लाई थीं ?**
   **३. किसने कहा कि वह फूलदान में फूल रख आती है ?**
   **४. फूलदान कहाँ रखा हुआ था ?**

   १. तिन सू कोको के घर फूलदान में फूल रखने के लिए आया था जो कि उसकी माँ ने भेजे थे।
   २. कोको की माँ फूलदान दुकान से लाई थीं।
   ३. मिमि ने कहा कि वह फूलदान में फूल रख आएगी।
   ४. फूलदान अलमारी के ऊपर रखा हुआ था।

2. **उ बा तुन - तुम्हारी माँ ने नीला फूलदान माँगा था। उस वक्त मेरे पास वह रंग नहीं था। इसलिए वह गुलाबी ही ले आई। उनके जाने के बाद मुझे एक नीला फूलदान मिल गया। मैं उसे बदलने आया हूँ। मुझे यकीन है तुम्हारी माँ नीला फूलदान देखेगी तो बहुत खुश होगी। अब मैं चलूँगा। शुक्रिया और गुड बाई | मिमि - तिन सू - गुड बाई चाचा | कोको - गुड बाई चाचा और गुड बाई मेरी चावल की रोटियों।**

   **१. कोको की माँ को कौन सा फूलदान लेना था ?**
   **२. फूलदान बदलने कौन आया था ?**
   **३. नीला फूलदान देखकर कौन खुश होगा ?**
   **४. कोको ने चाचा के साथ चावल की रोटियों को गुड बाई क्यों कहा ?**

   १. कोको की माँ को नीले रंग का फूलदान लेना था।
   २. उ बा तुन जो दुकान का मैनेजर था वह फूलदान बदलने आया था।
   ३. नीला फूलदान देखकर कोको की माँ खुश होगी।
   ४. कोको ने चाचा उबा तुन के साथ चावल की रोटियों को गुड बाई इसलिए कहा क्योंकि उसने अपने मित्रों से चावल की रोटियाँ फूलदान में छुपाई थीं जिसे बदलने के लिए चाचा आए और वह उस फूलदान को ले गए जिसमें चावल की रोटियाँ रखीं थीं।

## वाक्य को पढ़कर एक शब्द में उत्तर लिखिए |

1. **कोको ने किसे भुक्खड़ कहा ?** — नीनी को
2. **कोको ने मिमि से छुपकर रोटी की तश्तरी कहाँ रखी ?** — फूलदान में
3. **मिमि ने तिन सू को क्या बताया कि कोको के पेट में कौन घुसा है ?** — चूहा
4. **कोको के घर में कितने दरवाज़े थे ?** — दो

# 11 - चावल की रोटियाँ

## निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर कम से कम शब्दों में लिखिए |

1. **नाटक में हिस्सा लेने वालों को पात्र कहते हैं। जिन पात्रों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है उन्हें 'मुख्य पात्र' और जिनकी भूमिका ज़्यादा महत्वपूर्ण नहीं होती है उन्हें 'गौण पात्र' कहते हैं। बताइए इस नाटक में कौन-कौन मुख्य और गौण पात्र हैं ?**

   इस नाटक में ' कोको ', ' मिमि ' और ' तिन सू ' मुख्य पात्र हैं, वहीं 'नीनी' और 'उ बा तुन' गौण पात्र हैं।

2. **नीनी कोको के पास क्या करने आया था ?**

   नीनी कोको के पास रेडियो सुनने आया था।

3. **कोको के पेट में से कैसी आवाज़ आ रही थी ?**

   कोको के पेट में भूख के मारे गुड़गुड़ की आवाज़ आ रही थी।

4. **मिमि कितने साल की थी ?**

   मिमि आठ साल की थी।

5. **कोको के माता - पिता कहाँ गये और क्यों ?**

   कोको के माता - पिता खेतों में धान उगाने के लिए गए थे।

6. **तिन सू को जब मीमी ने पापड़ खाने को कहा तो उसका क्या जवाब था ?**

   नेकी और पूछ - पूछ तुम्हारी माँ गाँव में सबसे बढ़िया पापड़ बनाती हैं।

## निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक से दो वाक्यों में लिखिए |

1. **कोको के घर कौन-कौन से मित्र आए थे ? कोको उनसे क्या छिपा रहा था ?**

   कोको के घर उसका मित्र नीनी , मिमि , तिन सू , उ बा तुन आदि आए थे। जिनसे कोको अपनी चावल की रोटियाँ बचा रहा था और उन्हें इधर से उधर छिपा रहा था।

2. **कोको की माँ ने उसके लिए चावल की रोटियाँ बनाकर रखीं थीं। भारत के विभिन्न प्रांतों में चावल अलग-अलग तरीके से इस्तेमाल किया जाता है– भोजन के हिस्से के रूप में भी और नमकीन और मीठे पकवान के रूप में भी। आपके प्रांत में चावल का इस्तेमाल कैसे होता है ? घर में बातचीत करके पता कीजिए और एक तालिका बनाइए । कक्षा में अपने दोस्तों की तालिका के साथ मिलान करने पर पाएँगे कि भाषा , कपड़ों और रहन-सहन के साथ-साथ खान-पान की दृष्टि से भी भारत अनूठा है।**

   छात्र स्वयं कर सकते हैं; जैसे:–

   मैं उत्तर भारत का रहने वाला हूँ। मेरे घर में चावल का प्रयोग निम्नलिखित रुप में होता है; जैसे:– सादे चावल , मीठे चावल , बिरयानी , पुलाव , रोटियाँ , नमकीन इत्यादि।

3. **इस पाठ से आपको क्या शिक्षा मिलती है ?**

   इस पाठ से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें कभी झूठ नहीं बोलना चाहिए क्योंकि एक झूठ बोलने के पीछे हमें कई झूठ बोलने पड़ते हैं जिसमें हमारा ही नुकसान होता है।

## निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए |

1. **नीनी और मिमि कोको के घर क्यों आए ?**

# 11 - चावल की रोटियाँ



नीनी परीक्षा से सबंधित खबर रेडियो पर सुनने के लिए कोको के घर आया था क्योंकि उसका रेडियो ख़राब हो चुका था। जबकि मिमि उसे बताने आई थी कि उसकी माँ ने कहा है कि घर पर उसकी पसंद की चावल की रोटियाँ रखी हैं साथ ही वह अपनी माँ के हाथ से बने केले के पापड़ उसे खिलाने के लिए लाई थी।

**2. मिमि ने कोको को क्या जवाब दिया जब उसने कहा कि वह अभी नाश्ता करके उठा है और उसका पेट भरा है ?**

मिमि ने कहा यह बहुत बुरी बात है मेरी माँ ने केले के पापड़ बनाए थे मैंने सोचा तुम्हारे साथ बाँट कर खाऊँगी। सोचा था तुम्हारी चावल की रोटी और मेरे पापड़ दोनों का बढ़िया नाश्ता रहेगा। तुम्हारी बदकिस्मती है कि तुम्हारा पेट भरा है। अब मुझे अकेले ही यह खाना होगा।

**3. पात्रों को जो बात बोलनी होती है उसे संवाद कहते हैं। क्या आप किसी एक परिस्थिति के लिए संवाद लिख सकती हैं ? (इसके लिए आप टोलियों में भी काम कर सकती हैं।) उदाहरण के लिए खो-खो या कबड्डी जैसा कोई खेल-खेलते समय दूसरे दल के खिलाड़ियों से बहस।**

पहले दल का सदस्य – तुम्हारा खिलाड़ी आउट है।

दूसरे दल का सदस्य – किस तरह आउट है?

पहले दल का सदस्य – क्योंकि वह लाइन के बाहर है।

दूसरे दल का सदस्य – नहीं वह पाले में था।

पहले दल का सदस्य – तुमने ठीक से नहीं देखा।

दूसरे दल का सदस्य – बेईमानी से मत खेलो। .....आदि

**4. क्या कभी आपने कोई चीज़ या बात दूसरों से छिपाई है या छिपाने की कोशिश की है, उस समय क्या-क्या हुआ था ?**

इसे अपने अनुभव से छात्र स्वयं कर सकते हैं; जैसे-

एक बार मेरे मित्र ने मुझसे गणित की किताब माँगी। मैं अपनी किताब उसे देना नहीं चाहता था। अत: मैंने अपनी किताब छिपा दी और उससे कहा- "मेरे पास किताब नहीं है।" मैंने अपनी किताब गद्दे के नीचे छिपाई थी। वह वहीं पर बैठ गया, उसके बैठते ही किताब खड़खड़ करने लगी। उसकी नज़र बचाकर, मैंने चुपके से किताब दराज़ में छिपा दी। अचानक किसी काम से मैंने वही दराज़ उसके सामने खोल दी। उस समय मेरी हालत देखने वाली थी। बहाना बनाकर स्वयं को बचाना पड़ा।

**5. कहते हैं, एक झूठ बोलने के लिए सौ झूठ बोलने पड़ते हैं। क्या आपको कहानी पढ़कर ऐसा लगता है ? कहानी की मदद से इस बात को समझाइए।**

यह कहावत सच है कि एक झूठ छिपाने के लिए सौ झूठ बोलने पड़ते हैं। कहानी में भी 'कोको', 'नीनी' और 'मिमि' से चावल की रोटियाँ बचाने के लिए छिपाता है। इसके लिए वह अनेकों झूठ बोलता है; जैसे:– पेट भरा होना, रोटियों का खराब होना, घर में चूहा होना, रोटियाँ खा लेना, माँ को एलर्जी होना आदि।

**6. कोको को झूठ बोलने का क्या परिणाम भुगतना पड़ा ?**

कोको को झूठ बोलने का यह परिणाम भुगतना पड़ा कि उसे भूख लगते हुए भी उसके सामने पड़ी हुई चीजे उसे खाने को नहीं मिली जो कि उसे बहुत पसंद थी क्योंकि वह अपनी रोटियाँ किसी के साथ बाँट कर नहीं खाना चाहता था।

**7. तिन सू और उ बा तुन कोको को क्या देने आए ?**

तिन सू कोको को अपनी माँ के द्वारा भेजे गए कोको की माँ के फूलदान में फूल लगाने के लिए देने आया था जबकि उ बा तुन जो कि दुकान का मैनेजर था वह कोको के यहाँ उसकी माँ के द्वारा पसंद किया गया नीला फूलदान देने के लिए आया था।